

धसाधारस

EXTRAORDINARY

भाग II -- व्रवह 3--डय-खब्द (i)े

PART II-Section 3-Sub-section

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 203]

नई बिस्ली, बृहस्तिबार विसम्बर 3, 1970/झाप्रहयण 12, 1892

No. 203] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 3, 1970/AGRAHAYANA 12, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्या वी जाती है जिससे कि यह भ्रलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 3rd December 1970

G.S.R. 1987.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby rescinds the Andhra Pradesh Coarse Grains (Export Control) Order, 1965 published with the Order of the Government of India in the Ministry of Food and Agriculture, (Department of Food), G.S.R. No. 88 dated the 5th January, 1965:—

Provided that such rescission shall not effect-

- (a) the previous operation of the said Order or anything duly done or suffered thereunder; or
- (b) any right, privilege, obligation or liability acquired, accrued or incurred under the said Order; or
- (c) any penalty, forfeiture or punishment incurred in respect of any offence committed against the said Order; or
- (d) any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid;

and any such investigation, legal proceeding or remedy may be instituted, continued or enforced, and any such penalty, forfeiture or punishment may be imposed as if the said Order had not been rescinded.

[No. 204(AP) (4)/31/70-PY.II.]
R. BALASUBRAMANIAN, Jt. Secy.

लाच, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(लाद्य विभाग)

ग्रावेश

नई दिल्लो, 3 दिसम्बर, 1970

सा० का० नि० 1987.—ग्रावश्यक वस्तु ग्रिधिनियम, 1955 (1955 का 10) की घारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के खाद्य भीर कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) के ग्रादेश सं० सा० का० नि० 88 तारीख 5 जनवरी, 1965 के साथ प्रकाशित ग्रान्झप्रदेश मोटे ग्रनाज (निर्यात नियंत्रण) ग्रादेश 1965 को विखण्डत करती है:—

परन्तु ऐसे विखण्डन का

- (क) उस श्रादेश के पूर्व प्रवर्तन पर या तद्धनि सम्भवतः की गई या मुक्त किसी बात पर या
- (অ) उक्त आदेश के अधोन आर्जित किसी विशेषाधिकार प्रोद्भूत किसी बाध्वता या उप-गत किसी दायित्व पर: या
- (ग) उक्त श्रादण के विरुद्ध किए गए किसी श्रपराध के संबन्ध में उपगत किसी शस्ति समपहरण या दण्ड परायाः
- (घ) उपर्युक्त ऐसे किसी भ्रधिकार, विशेषधिकार, वाध्यता, वायित्व, शक्ति समपररण या दण्ड के संवन्ध में किसी भ्रन्वेयण, विधिक कार्यवाही या उपचार पर:

प्रभाव नहीं पड़ेगा ग्रीर ऐसा कोई ग्रन्वंत्रग विधिक कार्यवाहो या उपचार ऐसे संस्तिय किया जा सकेगा, जारी रखा जा सकेगा या प्रवितित किया जा सकेगा ग्रीर ऐसी कोई शास्ति समपहरण या दण्ड ऐसे ग्रिधिरोपित किया जा सकेगा मानो उक्त ग्रादेश विखण्डित नहीं किया गया था

[सं० 204 (ए०पी०) (4)/31/70 पी० वार्ष्ट II] रा० बालसुत्रहमें नियन, संयुक्त सचिव I